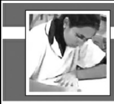

मॉडल पेपर यूपी बोर्ड

हाई स्कूल हिन्दी (प्रथम प्रश्न-पत्र)

समय - 3 घंटे　　　　　　　　　　　　　　　　पूर्णांक - 50

1. (क) निम्नलिखित में से कोई एक कथन सत्य है, उसे पहचान कर लिखिए-
   (i) प्रेमचंद एक प्रमुख नाटककार हैं।
   (ii) रामचन्द्र शुक्ल ने अनेक उपन्यास लिखे।
   (iii) कफन प्रेमचन्द जी की कहानी है।
   (iv) 'ठेले पर हिमालय' के लेखक गुलाबराय हैं।
   (ख) निम्नलिखित कृतियों में से किन्हीं दो के लेखकों के नामोल्लेख कीजिए-
   (i) अर्द्धनारीश्वर (ii)आँधी (iii) चिन्तामणि (iv) सागर की लहरों पर
   (ग) भारतेन्दु युग के दो लेखकों के नाम लिखिए।
   (घ) निम्नलिखित रचनाओं में से किन्हीं दो की विधाओं का उल्लेख कीजिए।
   (i) अतीत के चलचित्र (ii) आचार्य द्विवेदी जी (iii) ममता
2. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी एक की संदर्भ-प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए-

   अहिंसा का दूसरा नाम या रूप त्याग है। और हिंसा का दूसरा नाम या रूप स्वार्थ है, जो प्राय: भोग के रूप में हमारे सामने आता है। पर हमारी सभ्यता ने तो भोग भी त्याग से ही निकाला है और भोग भी त्याग में ही पाया है। श्रुति कहती है- 'तेन व्यक्तेन भुज्जीथा:'। इसी के द्वारा हर व्यक्ति के बीच का विरोध, व्यक्ति और समाज के बीच का विरोध, देश और देश के बीच के भेद को मिटाना चाहते हैं।

   अथवा

   आज विज्ञान मनुष्य के हाथों में अतुल शक्ति दे रहा है, उसका उपयोग एक व्यक्ति और समूह के उत्कर्ष तथा दूसरे व्यक्ति और समाज के गिराने में होता ही रहेगा। इसलिए हमें उस भावना को जागृत रखना है और उसे जागृत रखने के लिए कुछ ऐसे साधनों को भी हाथ में रखना होगा, जो उसे अहिंसात्मक त्याग-भावना को प्रोत्साहित करें और भोग भावना को दबाए रखें। नैतिक अंकुश के बिना शक्ति मानव के लिए हितकर नहीं होती।
3. निम्नलिखित लेखकों में किसी एक का जीवनवृत लिखकर उसके साहित्यिक अवदान का उल्लेख कीजिए-
   (i) राजेन्द्र प्रसाद (ii) रामधारी सिंह 'दिनकर' (iii) जयशंकर प्रसाद (iv) धर्मवीर भारती
4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए तथा उसका काव्य-सौन्दर्य लिखिए-

   अविगत गति कछु कहत न आवै।
   ज्यौं गूंगैं मीठे फल को रस अंतरगत ही भावै॥
   परम स्वाद सबही सु निरंतर अमित तोष उपजावै।
   मन-बानी को अगम-अगोचर, सो जानै जो पावै॥
   रूप रेख गुण जाति जुगति बिनु, निरालंब कित धावैं।
   सब विधि अगम विचारहिं तातैं, सूर सगुन पद गावैं॥

   अथवा

   निर्भय स्वागत करो मृत्यु का,
   मृत्यु एक है विश्राम स्थल।
   जीव जहां से फिर चलता है,
   धारण कर नवजीवन संबल।
   मृत्यु एक सरिता है, जिसमें,
   श्रम से कातर जीव नहाकर।
   फिर नू तन धारण करता है,
   काया-रूपी वस्त्र बहाकर।
5. (क) 'सत्कर्तव्य' का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।

   अथवा

   'जवानी' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
   (ख) 'अधिकार' शीर्षक कविता में महादेवी वर्मा ने क्या इच्छा प्रकट की है?
6. निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का जीवनवृत लिखकर उनके साहित्यिक योगदान का उल्लेख कीजिए।
   (i) सूरदास (ii) महादेवी वर्मा (iii) सुमित्रा नन्दन पंत (iv) राम नरेश त्रिपाठी
7. (क) 'हास्य' रस का स्थायी भाव लिखिए और उसका एक उदाहरण दीजिए।

   अथवा

   'ब्रज के बिरही लोग दुखारे'।
   उपर्युक्त पंक्ति में कौन-सा रस है। उसका स्थायी भाव लिखिए।
   (ख) 'रूपक' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

   अथवा

   अनुराग-तडाग में भानु उदै बिगसी मनो मंजुल कंज कली।
   उपर्युक्त पंक्ति में कौन-सा अलंकार है उदाहरण सहित परिभाषा लिखिए।
   (ग) 'सोरठा' छन्द के लक्षण उदाहरण सहित लिखिए।

   अथवा

   जप, माला, छापा, तिलक, सरै न एकौ काम।
   मन काँचे नाँचे वृथा, साँचे राँचे राम॥
   उपर्युक्त पंक्तियों में छन्द का नाम व लक्षण लिखिए।
8. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं तीन में प्रयुक्त उपसर्ग तथा मूल शब्द बताइए।
   अभिवादन, विदेश, सुकर्म, लाजवाब, सहचर
9. निम्नलिखित प्रत्ययों में से किन्हीं दो के प्रयोग से एक-एक शब्द बनाइए-
   (i) आई (ii) आहट, पन, त्व, ता ।

टिप्स

1. सर्वप्रथम प्रथम प्रश्न-पत्र को विद्यार्थी ध्यानपूर्वक पढ़ें।
2. आशानुकूल प्रश्न-पत्र आने पर अति उत्साहित न हों तथा विपरीत आने पर निरुत्साहित न हों।
3. परीक्षार्थी सभी प्रश्नों को क्रमानुसार हल करने का प्रयास करें।
4. प्रश्नों के उत्तर सीमित एवं सटीक शब्दों में लिखें, अनावश्यक शब्दों का प्रयोग न करें।
5. भाषा सरल तथा मात्राओं का उचित प्रयोग करें।

बीना शर्मा
हिन्दी प्रवक्ता, सफलता इन्टर कालेज, मोदीपुरम

नोट- यह एक सैंपल पेपर है। जरूरी नहीं कि इसी में से परीक्षा में प्रश्न आएं।